हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 308 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 06 जून, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 16

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हुए फिर से शुरू
VIP दर्शन पर लगी 10 जून तक रोक 3

जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने में लाएं तेजी : मुख्यमंत्री धामी

वैज्ञानिक आधार पर जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण के लिए तेजी से कार्य किये जाए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 06 जून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जल संरक्षण और वृक्षारोपण अभियान, 2024 के सफल क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये कि जल संरक्षण और जल संचय की दिशा में तेजी से कार्य किये जाए। नदियों और जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण के लिए प्रभावी प्रयास किये जाएं। इसके लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। 10 से 16 जून 2024 तक प्रदेशभर में जल उत्सव सप्ताह व्यापक स्तर पर मनाया जाय। यह निर्देश मुख्यमंत्री ने सचिवालय में आयोजित बैठक में दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक आधार पर जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण के लिए तेजी से कार्य किये जाए। इसके लिए यूकॉस्ट, यूसर्क एवं जल संरक्षण और संवर्द्धन के लिए कार्य करने वाली अन्य संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी अभियान को सफल बनाने में जन सहभागिता बहुत अहम होती है। जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में कार्य करने वालों के साथ ही इस दिशा में जन भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन नदियों और जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए अभी तक चिन्हित किया गया है, उनका बेस लाईन डाटा भी बनाया जाय। इनके पुनर्जीवीकरण के लिए लघुकालिक और दीर्घकालिक योजना के साथ कार्य किए जाए। वर्षा जल संचय की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए बनाई गई नीति का

■ वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए वनाग्नि संभावित क्षेत्रों में नमी संरक्षण की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए

नियमानुसार पालन सुनिश्चित करवाया जाय।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि वनाग्नि से संभावित क्षेत्रों में वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए ऐसे क्षेत्रों में नमी संरक्षण की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए वन विभाग पूरी योजना बनाकर कार्य करें। जो जल स्रोत तेजी से सूख रहे हैं, उनके संरक्षण के लिए सुनियोजित तरीके से कार्ययोजना बनाकर कार्य किए जाएं। चाल-खाल और अमृत सरोवरों के निर्माण में और तेजी लाई जाय। शहरी क्षेत्रों में जल संरक्षण संचय और संरक्षण के लिए प्रभावी तरीके से कार्य किये जाएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि आगामी हरेला पर्व से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए। यह अभियान एक माह तक चलाया जाए। फलदार और छायादार वृक्षों का अधिक रोपण किया जाए। वृक्षारोपण के साथ उनका संरक्षण सबसे अधिक जरूरी है, इनके संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि वृक्षारोपण अभियान को न्याय पंचायत स्तर तक चलाया जाय। न्याय पंचायत स्तर पर गोष्ठी के माध्यम से जल संरक्षण और वृक्षारोपण के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम किये जाएं। न्याय पंचायत स्तर, विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में वृक्षारोपण अभियान के तहत फलदार पौधे वितरित किये जाएं।

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान में जन सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को मनरेगा से जोड़ने से लोगों की आजीविका भी बढ़ेगी। इस वर्ष इस अभियान को न्याय पंचायत स्तर तक विस्तार किया जायेगा। वन विभाग द्वारा सेक्टर बनाकर वृक्षारोपण किया जायेगा। पर्यावरणविद् डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण जरूरी है। जल संचयन और संरक्षण के परंपरागत तरीकों पर नियमित कार्य करना होगा। इस अभियान को जन अभियान बनाना जरूरी है।

बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, सचिव शैलेश बगोली, अरविंद सिंह ह्यांकी, विनय शंकर पाण्डेय, एस.एन. पाण्डेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, एच.सी. सेमवाल, डॉ. पराग मधुकर धकाते, शासन के वरिष्ठ अधिकारी और वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस : सीएम धामी ने किया सिटी पार्क में वृक्षारोपण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 06 जून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सहस्त्रधारा हेलीपैड के निकट सिटी पार्क में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर वृक्षारोपण किया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत अनेक प्रजाति के पौधे लगाये गये।मुख्यमंत्री ने कहा कि दिन पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों को बचाने के लिए संकल्प लेने का दिन है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि सभी परिवारों को जल संरक्षण में अपना योगदान देना होगा। हिमालय पर्वत की विश्व को स्वच्छ हवा और पानी देने में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए देवभूमि उत्तराखंड की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, विधायक उमेश शर्मा काऊ, निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

इस रेस्टोरेंट में अजीबोगरीब नियम, 90 मिनट में खाना खत्म कर बाहर निकलना होगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जून : अगर रेस्टोरेंट में बैठकर आपको भी समय बिताना पसंद है तो यह खबर आपके लिए है. ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका के रेस्टोरेंट में बैठकर खाने का समय तय कर दिया है. यहां ग्राहकों को 90 मिनट दे रहे हैं और उसके बाद उन्हें दोबारा ऑर्डर करने की अनुमति ही नहीं है. हालांकि रेस्टोरेंट के इस नियम का जमकर विरोध भी हो रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका के न्यूयॉर्क में मौजूद रेस्टोरेंट्स अपने विचित्र नियम के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है. यहां चाइना टाउन इलाके में Ye's Apothecary नाम का एक रेस्टोरेंट है, जिसे रेस्टोरेंट्स में घंटों बैठकर बातें करने या खाने की फोटो लेना पसंद नहीं है. इसी वजह से इस रेस्टोरेंट ने नए नियम लागू किए हैं.

इस विचित्र नियम को लेकर 33 साल की क्रिस्टीना इजो ने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि 90 मिनट का रूल बेहद ही अजीब है. अपने अनुभव को लेकर उन्होंने बताया कि 90 मिनट बाद जब उन्होंने कुछ और ऑर्डर करने के लिए मेन्यू कार्ड मांगा तो उन्हें मना कर दिया गया. यह कहते हुए कि आपने अपनी तय समय सीमा पूरा कर ली है. अब आप ऑर्डर नहीं कर सकते. अब उन्हें दूसरे ग्राहकों के लिए टेबल छोड़ना पड़ेगा. क्रिस्टीना इजो ने बताया कि हमें उस वक्त बेहद शर्मिंदगी महसूस हुई. हमें ऐसा महसूस हुआ कि भगाया जा रहा है. उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के नियम सिर्फ एक रेस्टोरेंट में ही लागू नहीं किए गए हैं. टाइम लिमिट वाली समस्या का सामना उन्होंने और जगहों पर भी किया .कुछ इसी तरह का अनुभव 35 वर्षीय विज्ञापन कर्मचारी रिवेरा हक का रहा जब वह अपने आठ दोस्तों के साथ पार्टी करने एक प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट में गई थीं उन्हें उनके साथियों के साथ टेबल खाली करने को कह दिया गया.

रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना काल के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग को मेंटेन करने के लिए ग्राहकों को जगह छोड़-छोड़कर बैठने के लिए नियम बनाया गया था. इसी दौरान रेस्टोरेंट में अधिक समय तक नहीं बैठने के नियम बनाए गए थे. छोटे रेस्टोरेंट्स को टाइम लिमिट वाला आइडिया रास आ गया. इसे अभी भी लागू किया जा रहा है. इन नियम की वजह से ग्राहक ज्यादा देर रेस्टोरेंट में ना रुकें. कोविड में हुए नुकसान से निपटने के लिए रेस्टोरेंट्स फिर से वही फार्मूला अपना रहे हैं जिससे वो ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को बैठाकर ज्यादा प्रॉफिट कमा सकें

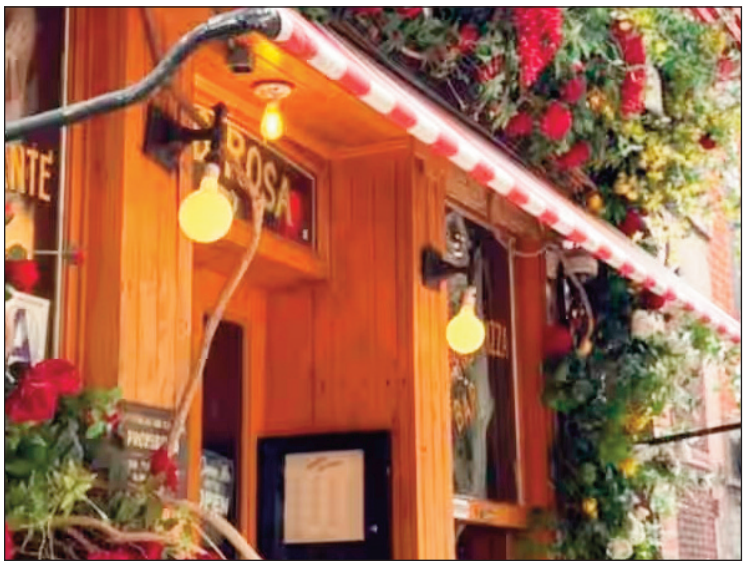

शराब पीने से पहले क्यों बोलते हैं चीयर्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जून : शराब पीने का कोई भी दौर गिलासों को आपस में टकराने और 'चीयर्स' के उत्साहवर्धक नारे के बिना शुरू नहीं होता. बहुत बार ऐसा हुआ होगा कि आपके दोस्तों ने आपको बिना गिलास टकराए या चीयर्स बोले शराब पीने की शुरुआत करने के लिए टोका होगा और फिर आपने संकोचवश सिर हिलाते हुए और उत्साहपूर्वक अपना गिलास बाकी सभी के गिलास से मिलाया होगा. क्या आप शराब पीने की इस प्रथा के पीछे का कारण जानते हैं, आखिर क्यों गिलासों को टकराया जाता और चीयर्स बोला जाता है?

चलिए हम आपको इसके बारे में सब कुछ बताते हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस रिवाज से जुड़ी एक बहुत लोकप्रिय मान्यता है. प्राचीन यूरोप में शराबखाने और दावतों के दौरान बीयर के गिलासों का बजना बहुत आम बात थी. गिलासों को चटकाया जाता था जिससे दूसरे व्यक्ति के गिलास में थोड़ी सी शराब गिर जाए. इस बात से यह साबित किया जाता था कि आपने अपने साथी की ड्रिंक में जहर नहीं मिलाया है.

उन दिनों जब योद्धा, रईस और दरबारी मौज-मस्ती और शराब पीने के लिए शाम को बैठते थे, तो उनके बीच नशे में झगड़े और व्यक्तिगत दुश्मनी हो जाना बेहद आम बात हुआ करती थी, इसलिए गिलास चटकाने और अपनी शराब दूसरे के गिलास में गिराने का मतलब था कि वो एक दूसरे को मारने की कोशिश नहीं कर रहे थे. हालांकि, इतिहास में इस प्रथा का कोई सबूत नहीं है.

इसके पीछे एक और प्रचलित कारण थोड़ा अधिक वैज्ञानिक है. माना जाता है कि गिलासों की खनक की आवाज पीने के मजे को और भी ज्यादा बढ़ा देती है क्योंकि ऐसा करने में शरीर की एक और इंद्री यानी सुनने की इंद्री भी एक्टिव हो जाती है. माना जाता है कि शराब, विशेष रूप से वाइन, का सबसे अच्छा आनंद तब लिया जाता है जब सभी इंद्रियां इसमें शामिल होती हैं. इसी वजह से लोग चीयर्स बोलते हैं, जिससे उनके अंदर ऊर्जा का वास हो और सुनने की इंद्रियां एक्टिव हो जाएं.

म्यूजिक की धुन पर अब गाय भैंस देंगी बम्पर दूध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जून : आपकी गाय या भैंस अगर दूध कम देती है तो उसे बढ़ाने के लिए आप क्या करते हैं? आपका जवाब सिंपल होगा कि उसे चारा या दूध बढ़ाने वाले फूड्स खिलाते हैं। लेकिन अब एक ऐसी अनोखी रिसर्च आ गई है। जो यह कहती है कि अगर आप अपनी गाय या भैंस को म्यूजिक सुनाते हैं तो उसका दूध बढ़ जाता है। यह रिसर्च की गई है हरियाणा के करनाल स्थित राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (NDRI Unique Research) की तरफ से रिसर्च में कहा गया है कि जिस तरह गाना-बजाना इंसानों को रिलैक्स कर देता है, उसी तरह पशुओं को भी यह तनाव मुक्त रखता है। NDRI की जलवायु प्रतिरोधी पशुधन अनुसंधान केंद्र ने अपने इस शोध में हजारों दुधारू पशुओं को शामिल किया। करीब चार साल तक यह रिसर्च चला। जो नतीजा निकलकर आया, उसमें पता चला कि संगीत से पशुओं का न हेल्थ बेहतर होता ही है, उनकी दूध देने की क्षमता भी बढ़ जाती है।

शोधकर्ताओं का क्या करना है

'संस्थान के वरिष्ठ पशु वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष ने बताया कि काफी समय पहले यह सुना जाता था कि गों को संगीत और भजन पसंद है। भगवान श्रीकृष्ण की मुरली की धुन पर भी गायें चली आती थीं और उसे बड़े भाव से सुनती थी। अब हमने इसी को प्रयोग में अपनाया है। हमें इसका रिजल्ट भी अच्छा मिला है। उन्होंने बताया कि संगीत की तरंगें गाय के मस्तिष्क में ऑक्सीटोसिन हार्मोन को एक्टिव कर देती हैं, जिससे उनका दूध बढ़ जाता है और वे दूध देने के लिए प्रेरित होती हैं।'

दुधारू पशु और संगीत का कनेक्शन

NDRI की स्थापना साल 1955 में की गई थी। तभी से पशुओं पर कई तरह के शोध चल रहे हैं। देसी गायों की नस्लों पर भी कई प्रयोग किए गए हैं। इसी शोध में से एक है पशुओं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का। शोधकर्ताओं ने गायों-भैंसों को तनाव मुक्त रखने के लिए म्यूजिक सुनाया। उन्होंने देखा कि गाना सुनकर पशु भीषण गर्मी में भी काफी रिलैक्स रहते हैं और बैठकर जुगाली करते हैं। इसका असर उनके दूध पर पड़ा और वे पहले से ज्यादा दूध देने लगे। डॉ. आशुतोष ने बताया कि 'हम पशुओं को एक जगह बांधकर नहीं रखते हैं। क्योंकि इससे वे तनाव में आ जाते हैं। यहां पशुओं को ऐसा वातावरण दिया जा रहा है, जिससे उनपर दबाव न आए और वे तनाव मुक्त रहें। इसके लिए गीत-संगीत का सहारा भी लिया गया, जिसका रिजल्ट शानदार आया है।'

यहां मुर्दों को भी देना पड़ता है 'किराया'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जून : मौत के बाद कब्र ही सबसे सुकून की जगह होती है, ये लाइन आपने भी तो खूब सुनी होगी. लेकिन अगर आपसे कहा जाए कि कब्र में दफन मुर्दो को भी सुकून नहीं, उन्हें भी कब्रिस्तान में दफन रहने के लिए किराया भरना पड़ता है तो यह आपको जानकर हैरानी होगी. हालांकि यह सच है।

दरअसल, अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर रहा मध्य अमेरिकन देश ग्वाटेमाला में ऐसा होता है. जहां जगह की कमी के चलते कई बहुमंजिला कब्रिस्तान में बनाई गई हैं. यहां बहुमंजिला कब्रिस्तानों में कब्र के लिए हर माह शव के परिजनों को किराया भरना पड़ता है. अगर किसी रिश्तेदार की कब्र का मालिक एक महीने का किराया देने में समर्थ नहीं है, तो शव को उस कब्र से निकालकर सामूहिक कब्र में रख दिया जाता है. उसकी जगह दूसरे शव को कब्र में दफना दिया जाता है. इन कब्रों का किराया भी काफी महंगा है.

सिर्फ इतना ही नहीं, कब्रिस्तान में आपको कई ऐसे नजारे दिख जाएंगे. जैसे किराया न भरने के चलते कुछ शवों को कब्र से बाहर निकाल दिया गया. कई शव तो खड़े जैसे दिखते हैं जैसे इंतजार कर रहे हैं अपनी दो गज जमीन का दरअसल ग्वाटेमाला में जगह की कमी के चलते बहुमंजिला कब्रिस्तान का चलन है, जहां एक कब्र के ऊपर ही दूसरी कब्र बना दी जाती है. यहां लोग जीते जी अपनी कब्र के किराये का इंतजाम करते हैं, जबकि गरीब लोगों के लिए ये बहुत मुश्किल होता है. कब्रिस्तान में कुछ बाहर निकली हुई लाशें और कई मृत शरीर बैठे और खड़े भी दिखाई देते हैं.प्रशासन का कहना है कि ज्यादा आबादी और कम जगह होने के चलते ऐसे नियम बनाने की मजबूरी है. प्रशासन ने हर शहर के बाहर एक सामूहिक ग्राउंड बनाया है जहां हर साल उन शवों को दफनाया जाता है जिनके परिजन समय पर किराया नहीं भर पाते.

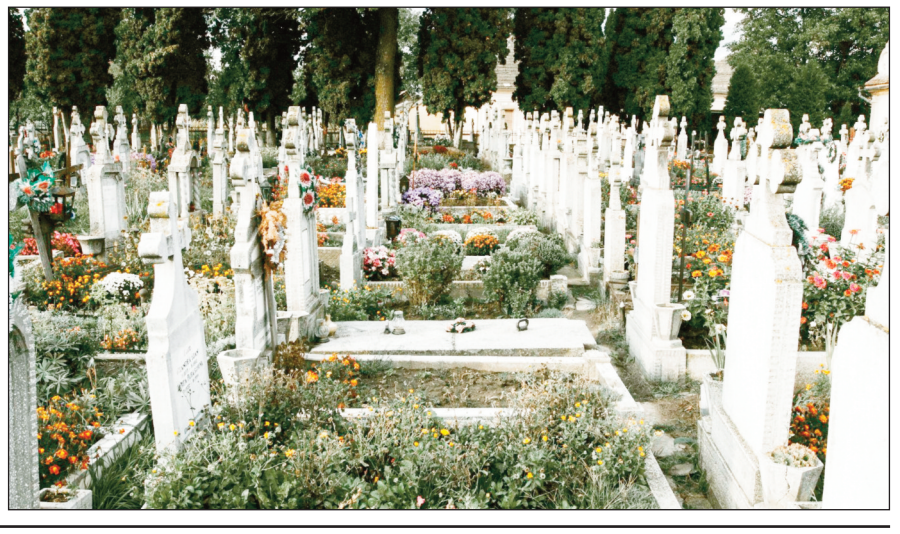

Char Dham Yatra 2024 : ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हुए फिर से शुरू, VIP दर्शन पर लगी 10 जून तक रोक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 06 जून : चार धाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फिर से शुरू हो चुके हैं। जो यात्री उत्तराखंड चार धाम की यात्रा के लिए आना चाहते हैं अब दोनों माध्यमों से अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं साथ ही वीआईपी दर्शन के लिए रोक 10 जून तक बढ़ा दी है।उत्तराखंड में आजकल आस्था का सैलाब उमड़ा है हर तीर्थस्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भरकम भीड़ नज़र आ रही है। सीमित संख्या से अधिक भीड़ के कारण व्यवस्था बनाने में राज्य सरकार को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिस कारण सरकार ने ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण पर रोक लगाई गई थी। लेकिन कुछ दिन पहले ऑफलाइन पंजीकरण फिर से शुरू कर दिए गए और साथ में अब ऑनलाइन के पंजीकरण भी बीते 01 जून से दोबारा शुरू किए जा चुके हैं। अब जो यात्रीगण बहुत समय से पंजीकरण करने का इन्तजार कर रहे थे उनके लिए यह बेहद ख़ुशी की खबर है।

अभी तक उत्तराखंड के चारों धामों में एक महीने के अंदर लगभग 18 लाख तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। इन सभी में सबसे ज्यादा दर्शन केदारनाथ धाम के हो रहे हैं। पिछले बार करीब 56 लाख श्रद्धालुओं ने चारों धामों के दर्शन किए थे लेकिन इस बार आकड़ा इस से कई अधिक होने की उम्मीद है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार करीब 75 लाख श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन के लिए पहुँच सकते हैं। राज्य सरकार सहित सभी विभाग लगातार व्यवस्था बनाने में लगे हुए हैं और मुख्यमंत्री स्वयं यात्रा पर नज़र बनाए हैं।चार धाम यात्रा में देश-विदेशों से लाखों लोग पहुँच रहे हैं इस दौरान वीआईपी के आने से व्यवस्थाओं में व्यवधान उत्पन्न होता है जिससे आम श्रद्धालुओं को मुसीबतों का सामना करना पड़ता है इसी को ध्यान में रखते हुई राज्य सरकार ने एक बार फिर से 10 जून तक वीआईपी दर्शन पर रोक लगा दी है ताकि यात्रा में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

हरिद्वार : शिल्पी लखेड़ा सेना में बनी नर्सिंग लेफ्टिनेंट, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं पिता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 06 जून : शिल्पी लखेड़ा ने जनवरी 2024 में एमएनएस की परीक्षा दी थी और उन्होंने 99वीं रैंक हांसिल करके इस परीक्षा को पास कर लिया है। शिल्पी का चयन भारतीय सैन्य नर्सिंग सेवाओं में लेफ्टिनेंट के पद पर होने से पूरा परिवार में खुशी का माहौल है। कड़ी मेहनत और सही दिशा में प्रयास, सफलता के द्वार खोलते हैं। ऐसा ही सफलता का परचम हरिद्वार की बेटी शिल्पी लखेड़ा ने लहराया है।

उन्होंने जनवरी 2024 में आयोजित एमएनएस परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। इस परीक्षा में लगभग 27000 अभ्यर्थियों प्रतिभाग किया था और शिल्पी ने इसमें 99वीं रैंक प्राप्त की है। इस परीक्षा में कुल 451 अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिली है। मार्च में हुए इंटरव्यू और मेडिकल के बाद शिल्पी को पहले 198 बच्चों में मिलिट्री हॉस्पिटल झांसी में तैनाती मिली है।शिल्पी लखेड़ा के पिता दिनेश लखेड़ा जिला अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं और साथ में कर्मचारी नेता भी हैं। शिल्पी ने हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर मायापुर से की जिसके बाद इन्होंने स्टेट राजकीय नर्सिंग कालेज देहरादून से नर्सिंग की पढ़ाई की। वे अपने परिवार के साथ ही सरकारी अस्पताल में रहते थे। भारतीय सैन्य नर्सिंग सेवाओं में लेफ्टिनेंट के पद शिल्पी के चयन होने से पूरा परिवार ख़ुशी से गदगद है।

विधि विभाग ने जागरूकता शिविर आयोजित किया

नई टिहरी। गढ़वाल विवि के स्वामी रामतीर्थ परिसर के विधि विभाग के लीगल एंड सेंटर ने बुधवार को चंबा के धरसाल गांव में विधिक जागरूकता शिविर लगाया। शिविर में कानूनी जानकारी देने के साथ ही कानूनी पुस्तकों का वितरण भी किया गया। शिविर में विधि विभाग के डा.एसके चतुर्वेदी ने उपस्थित लोगों को साइबर अपराध और गौरा शक्ति ऐप के बारे में अहम जानकारियां दी। उन्होंने बताया कि आज के युग में बढ़ते साइबर अपराध को कैसे रोका जाए तथा इससे संबंधित शिकायत कहां और कैसे दर्ज की जाए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नई टिहरी के रिटेनर व वरिष्ठ अधिवक्ता राजपाल सिंह मियां ने निशुल्क विधिक सहायता कैसे प्राप्त की जा सकती है। अपनी शिकायतों का समाधान इसके द्वारा कैसे किया जा सकता है, के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से बताया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैसे निःशुल्क सहायता प्रदान करता है इसके बारे में भी जानकारी दी। विधि विभाग से जुड़े वरिष्ठ अधिवक्ता आरएस डोटियाल ने भी विधिक सेवा संबंधी जानकारी ग्रामीणों को दी। एलएलबी द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने दहेज हत्या और घरेलू हिंसा पर नुक्कड़ नाटक भी इस मौके पर प्रस्तुत किया। छात्रों ने भी बाल अधिकार, मुफ्त कानूनी सहायता, दहेज प्रथा, संविधान में प्रदान की गई निःशुल्क प्राविधान और जंगल की आग पर भी अपने विचार प्रस्तुत किये। शिविर का संचालन विधि विभाग के शोधार्थी सूर्य प्रकाश मौर्य एवं गरिमा धर्मशक्तु ने संयुक्त रूप से किया। शिविर के समापन पर सभी के सहयोग के लिए अनुज कुमार सिन्हा ने आभार जताया। शिविर की अध्यक्षता विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एके पाण्डेय ने की। शिविर में डा. हिमानी बिष्ट, गीता, शोधार्थी देवेंद्र मनी, मनोज यादव, आराधना, राजेश, सुभाष, सतेंद्र, सुंदर, पूजा, अर्पित आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण और संवर्द्धन को बढ़ावा देने पर दिया जोर

नई टिहरी। पर्यावरण प्रकोष्ठ सदस्य डॉ. रंजू उनियाल, डॉ. यतिन काला, डॉ. रश्मि व नमामि गंगे सदस्य डॉ. प्रतीक गोयल, अर्जुन, नरेंद्र, डॉ. पारुल रतूड़ी, मो. इलियास, डॉ. दिनेश सिंह नेगी आदि मौजूद रहे। वहीं, धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेन्द्रनगर पर्यावरण दिवस के मौके पर महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई और स्वच्छता कार्यक्रम के साथ एक गोष्ठी का आयोजन किया गया I प्राचार्य प्रो. आरके उभान ने कहा कि आज प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है I दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता हैं, जो जीवन के लिए आवश्यक हैं।

रक्षा सूत्र बांध पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

नई टिहरी। डॉ. संजय दत्त ने रक्षा सूत्र की जानकारी छात्रों को दी। बताया कि किस तरह से 1994 में रयाला के जंगलों की अंधाधुंध कटान को रोकने के लिए पर्यावरणविद सुरेश भाई ने पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी रक्षा की। कार्यक्रम में उपस्थित राजेश लाल और रीना चौहान की ओर से ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीन हाउस प्रभाव, हीट वेव आदि विषयों की जानकारी छात्र-छात्राओं के साथ साझा की गई।

संक्षिप्त खबरें

भौसारी गधेरे में लगाए 100 से अधिक बांज के पेड़

रुद्रप्रयाग। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर कुरझण ग्राम सभा के भौसारी गधेरे और उसके आसपास के क्षेत्र में पौधरोपण किया गया। 100 से अधिक बांज के बीजों को अलग अलग स्थानों में रोपित किया गया। क्षेत्र में पानी की मुख्य समस्या को देखत हुए पिछले 5 वर्षों से पौधरोपण अभियान चलायाजा रहा है। वर्तमान में 25 से अधिक गांव पेयजल के लिए इस गधेरे के ऊपर निर्भर है। इसके ऊपर के खाली क्षेत्र ढोंडिक, आगर चोपड़ा, मदोला गांव के लोगों की अलग अलग समितियां बनी हैं। जबकि गांव के लोगों ने नर्सरी बनाई है। पर्यावरण प्रेमी एवं शिक्षक सतेंद्र भंडारी द्वारा निरंतर यहां पौधरोपण अभियान चलाए जाते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पर भी वृहद पौधरोपण किया गया। गांव की महिलाएं और युवा साथियों के सहयोग से पर्यावरण दिवस के प्रयास किए गए। इस मौके पर शिक्षक सतेंद्र भंडारी, सुबोध, अध्यक्ष क्वीली देवेश्वरी देवी, अध्यक्ष क्वीली संगीता देवी, करन सिंह सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

कार्तिक स्वामी में 11 दिवसीय महायज्ञ एवं देवी भागवत शुरू

रुद्रप्रयाग। कार्तिक स्वामी मंदिर में वैदिक मंत्रोचारण के साथ बुधवार से 11 दिवसीय महायज्ञ एवं श्रीमद देवी भावगत कथा शुरू हो गई। पहले दिन सैकड़ों भक्तजनों ने मंदिर में पहुंचकर पुण्य अर्जित किया। कार्तिकेय मंदिर समिति के सहयोग से भागवत कथा की जा रही है। विश्व कल्याण एवं क्षेत्र की खुशहाली के लिए पहले दिन क्षेत्र के सीमान्त गांव घिमतोली के स्वांरी ग्वास गांव में भगवान कार्तिक स्वामी के प्रतीक चिह्नन (रूपछड़ी) की विशेष पूजा अर्चना संपन्न की गई। इसके बाद भगवान कार्तिक स्वामी की रूपछड़ी को ढोल दमाऊं एवं भक्तों के जयकारों कार्तिक स्वामी धाम रवाना किया गया। सुबह 10 बजे भगवान कार्तिक स्वामी के प्रतीक चिह्न के यात्रा के अहम पड़ाव स्कन्द नगरी पहुंचने पर यहां मौजूद श्रद्वालुओं ने अक्षत एवं पुष्पों से भव्य स्वागत किया। यहीं पर भगवान की रूप छड़ी का गंगाजल से स्नान कर आरती उतारी गई। स्कन्दनगरी ने अल्प विश्राम करने के बाद भगवान कार्तिक स्वामी के रूप छड़ी अन्य देवी देवताओं के निशान कार्तिक स्वामी तीर्थ को रवाना हुई। ठीक 12 बजे भगवान कार्तिक स्वामी मंदिर पहुंचने पर भगवान नर रूप में अवतरित हुए। देवता ने हवनकुंड में गज मार कर 11 दिवसीय महायज्ञ की अनुमति दी गई। इस दौरान उपस्थित भक्तों ने कार्तिक स्वामी का आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान भक्तों के जयकारों से क्षेत्र का पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके उपरान्त महायज्ञ में पूजा अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बाद हवनकुंड में अग्नि प्रज्वलित कर ब्राह्मणों ने महायज्ञ में जौ तिल व घी की आहुतियां डालने की प्रक्रिया शुरू की। श्रीमद देवीभावगत कथा के कथावाचक आचार्य वासुदेव प्रसाद थपलियाल ने कहा कि कलयुग में ऐसे तीर्थो के दर्शन करने से मात्र मनुष्य के सभी पापों को हरण हो जाता है। इस दिव्य पुराण के दर्शन एवं श्रवण करने से मनुष्य का विवेक जागृत होता है। 14 जून को भव्य जल कलश यात्रा एवं 15 जून को पुर्णाहुति के साथ समापन किया जाएगा। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न नेगी, सचिव बलराम नेगी, कोषाध्यक्ष चन्द्रसिंह नेगी, प्रबन्धक पूरण सिह, पुजारी नन्दू पुरी, रमेश सिंह, डीएस बत्वाल, सुरजी देवी, प्रदीप राणा, दिनेश थपलियाल, सुधीर नौटियाल समेत बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद थे।

पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण किया गया

नई टिहरी। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिलेभर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस दौरान जलवायु परिवर्तन के खतरों को न्यून करने के लिए सामूहिक प्रयास करने, जंगलों को वनाग्नि से बचाने, जल संवर्धन और संरक्षण को लेकर आगे बढ़ने का निश्चय भी लिया गया। वन विभाग, श्रीदेव सुमन विवि, विधिक सेवा प्राधिकरण, बाल कल्याण समिति सहित कई संगठनों ने विश्व पर्यावरण दिवस पर श्रमदान कर पौधरोपण किया। नगर पालिका टिहरी ने सेंट एंथोनी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने जागरूकता रैली निकाली।टिहरी वन प्रभाग की भिलंगना और बालगंगा रेंज ने घनसाली में पर्यावरण के प्रति शपथ लेकर अवर लेंड अवर फ्यूचर के स्लोगन पर विभिन्न प्रजातियों के पौध लगाए। इस मौके वन रेंजर आशीष नौटियाल, प्रदीप चौहान, प्रोजेक्ट मैनेजर अमित माथुर, हरी प्रसाद नौटियाल, शिवप्रसाद सेमवाल, धर्मेंद्र पंवार, मनोज रावत, विकास पंवार मौजूद थे।

नैनीताल : शनिवार-रविवार खुद की कार से नहीं जा पाएंगे कैंची धाम, शुरू की जा रही हैं ये सेवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 06 जून : उत्तर भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। वीकेंड में लोग घूमने की प्लानिंग करते हैं तो लोग धार्मिक स्थलों पर जाते हैं। अगर इस वीकेंड में आप धर्म नगरी उत्तराखंड जाने का प्लान बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए जरूरी हो सकती है। कैंची धाम में इस वीकेंड श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाएगी जिसके लिए ट्रैफिक को सुचारू ढंग से चलाने के लिए विशेष ट्रैफिक नियम लागू किए हैं। जिसके तहत निजी वाहनों के संचालन पर भी रोक लगा दी है।

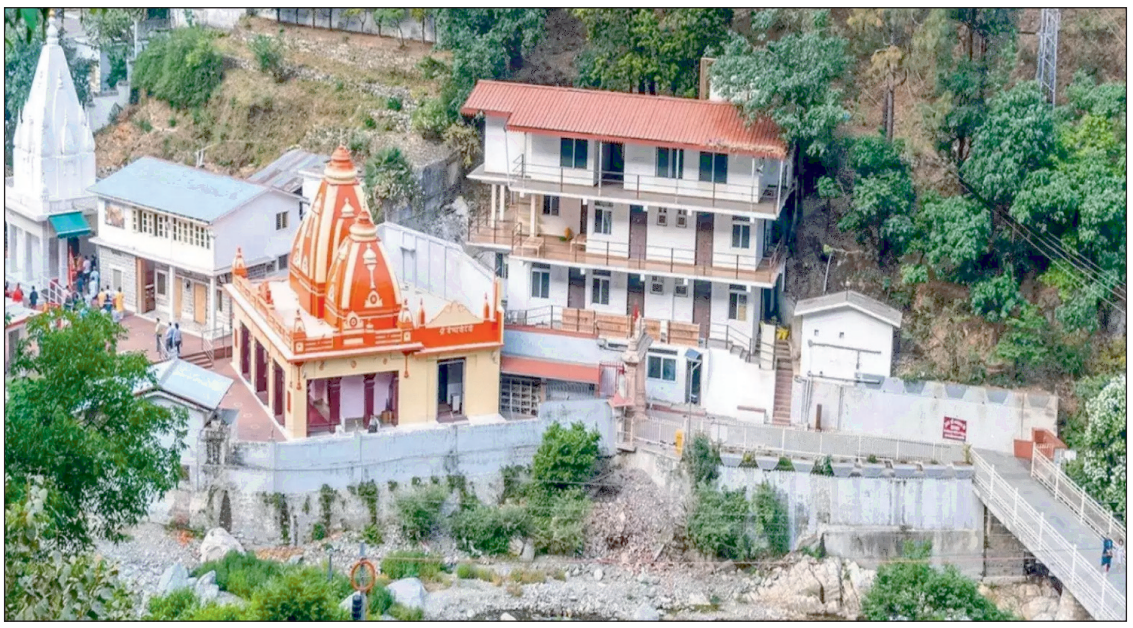

श्रद्धालु की संख्या को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने बैठक की। जिसके बाद तय किया गया कि कैंची धाम जाने के लिए हरिद्वार रेलवे स्टेशन समेत पांच जगहों पर शटल सेवा शुरू की जाएगी। यही नहीं स्थानीय प्रशासन ने भवाली और खरैना से निजी कार के संचालन पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।गौरतलब है कि स्थानीय प्रशासन की प्रतिबंध के बाद श्रद्धालुओं को अपने गंत्व्य तक पहुंचने के लिए शटल सेवा का इस्तेमाल करना होगा। बता दें कि एसपी यातायात हरबंस सिंह ने बीते दिन अधिकारियों संग बैठक कर इस शनिवार और रविवार को हल्द्वानी रेलवे स्टेशन से शटल सेवा के तौर पर बस और नैनी बैंड प्रथम से टैक्सी व बस तथा सैनेटोरियम से टैक्सी व बस, नगर पालिका मैदान से टैक्सी वहीं खैरना से कैंची धाम के लिए शटल सेवा व टैक्सी का संचालन किया जाएगा।

स्थानीय प्रशासन के इस ट्रैफिक नियम के बाद पर्यटकों और श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना कम करना पड़ेगा। प्रशासन पर्यटकों और श्रद्धालू से अपील भी कर रहा है कि वह प्रशासन के लिए ट्रैफिक प्लान को देखने के बाद ही यात्रा करें। इसके साथ ही प्रशासन ने यह भी अपील की है कि केमू स्टेशन से शटल सेवा का उपयोग करें, जिससे मुख्य मार्गों पर वाहनों की आवाजाही कम हो।आप कैंची धाम यानी नीम करौली बाबा के यहां जाने का प्लान बना रहे हैं तो और सही समय के बारे में सोच रहे हैं तो मार्च से लेकर जून तक नीम करौली बाबा के दर्शन के लिए सबसे उपयुक्त समय है। इसके अलावा आप सितंबर से नवंबर के बीच भी जा सकते हैं। इन महीनों में कैंची धाम का मौसम सुहाना होता है और आश्रम के आसपास का प्राकृतिक परिवेश सफर के लिए बेहतर रहता है।

आप जानते है दिन में कितनी मात्रा में करना चाहिए चीनी का सेवन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जून : मीठा खाना हम सभी को पसंद होता है, लेकिन आमतौर पर इससे होने वाली बीमारियों के डर के कारण हमें मीठी चीजों से समझौता करना पड़ जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर दिन में एक नियत मात्रा में ही चीनी या उससे बने उत्पादों का सेवन किया जाए तो इससे कोई नुकसान नहीं होता है। अब आपके मन में भी यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर कितना मात्रा में चीनी का सेवन करने में कोई हानि नहीं है? विशेषज्ञों के मुताबिक एक दिन में किसी व्यक्ति को 100 कैलोरी (लगभग 6 चम्मच या 24 ग्राम) से अधिक मात्रा में एडेड शुगर का सेवन नहीं करना चाहिए। आइए जानते हैं कि चीनी के सेवन को लेकर विशेषज्ञ और क्या सुझाव देते हैं?

नवंबर 2020 में 'द इकोनॉमिक टाइम्स' में छपी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत, दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उपभोक्ता है। यानी दुनिया के अन्य देशों की तुलना में यहां के लोग चीनी का सेवन सबसे ज्यादा करते हैं। मस्तिष्क की शक्ति, मांसपेशियों की ऊर्जा और हमारे शरीर की कोशिकाओं के समुचित कार्यों को जारी रखने के लिए शुगर को ही सबसे बेहतर ऊर्जा को स्रोत माना जाता है, लेकिन इसका ज्यादा सेवन शरीर को कई तरह की बीमारियों का शिकार बना सकता है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के मुताबिक चीनी से भी शरीर को उतनी ही मात्रा में कैलोरी मिलती है जितनी की अन्य खाद्य पदार्थों से। इसके दुष्प्रभाव भी उन्हीं लोगों में ज्यादा देखने को मिलते हैं जो इस तरह की कैलोरी को ठीक से बर्न नहीं कर पाते हैं। उन्हीं लोगों को मोटापो और अन्य रोगों का खतरा भी सबसे ज्यादा होता है। अगर नियत मात्रा में चीनी का सेवन किया जाए और इससे मिलने वाली कैलोरी को सही तरीके से बर्न किया जाए तो इससे शरीर को नुकसान नहीं है।

विशेषज्ञों के मुताबिक पैक्ड भोजन की खरीदारी करते समय लेबल जरूर पढ़ें और उसमें मौजूद शुगर की मात्रा की जाँच जरूर कर लें। उदाहरण के लिए एक टेबल स्पून केचप में इतनी ही मात्रा शुगर की होती है। एफडीए के अनुसार दैनिक रूप से लिए जा

रहे कुल कैलोरी में शुगर की मात्रा 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।विशेषज्ञों के मुताबिक ज्यादा मात्रा में चीनी के सेवन की न तो जरूरत होती है और न ही इससे कोई लाभ है। ऐसे में ज्यादा मात्रा में चीनी के सेवन से बचने का सबसे बढ़िया तरीका है कि आप उन उत्पादों का सेवन कम कर दें जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। सामान्य तौर पर 1 चम्मच में चीनी का चार ग्राम की मात्रा आती है, इस आधार पर आप दैनिक रूप से चीनी के सेवन को निर्धारित कर सकते हैं।

क्या भारत के अलावा किसी और देश में भी महिलाएं साड़ी पहनती हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जून : साड़ी को भारत का परंपरागत परिधान माना जाता है. लेकिन आजकल यह फैशन का हिस्सा होकर दुनिया भर में फैलता जा रहा है. दुनिया के कई सेलिब्रिटी कई मौकों पर साड़ी पहनी दिख जाती हैं और यह अब कभी कभार होने वाली घटना नहीं रह गई है. साड़ी काफी पहले ही फैशन शो का हिस्सा बन चुकी है. पर क्या साड़ी भारत के अलावा दूसरे देशों का भी आम पहनावा है? जी हां, यह सच है. लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि भारत के अलावा वो कौन से देश हैं जहां महिलाएं साड़ी पहनती हैं.

साड़ी मूल रूप से भारत का परिधान ही मानी जाती है. यह देश का सबसे पुराना परिधान है जिसे महिलाएं संस्कृति के शुरुआत से ही पहनती आ रही हैं. लेकिन आज हालात कुछ अलग हैं. यह दुनिया के कई देशों में पहुंच चुकी है. कुछ देशों में यह फैशन के तौर ही पहुंची है तो कहीं यह बहुत सालों पहले पहुंच कर यहां की संस्कृति का हिस्सा बन गई है.

अपने सवाल का जवाब देने से पहले हम आपको यह बता दें कि साड़ी भारत की ही नहीं बल्कि दक्षिण एशिया में महिलाओं का प्रमुख पहनावा मानी जाती है. यह भारत के अलावा श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश में प्रमुख रूप से पहनी जाती है. बहुत से लोग साड़ी को एशिया का प्रमुख पहनावा भी मानते हैं.

इसलिए हैरानी की बात नहीं है कि मलेशिया और म्यांमार जैसे देश में भी महिलाएं अक्सर साड़ी में देखी जाती हैं. लेकिन वैश्वीकरण के बाद से दुनिया में साड़ी भी फैशन के रूप में तेजी से फैलती दिखाई दी है. भारत के लोगों ने दुनिया को साड़ी के पहनने के विविध संभावनाओं से दुनिया को परिचित कराया है जिसे यह लंदन, मॉस्को अमेरिका, यूरोप के कई देशों में चलन में आने लगी है. मिडिल ईस्ट में भी साड़ी को बहुत ज्यादा अपनाया जाने लगा है. यहां भारत से जाने वाले लोगों ने इसे इन देशों में लोगों से साड़ी का परिचय करवाया है.

इस लड़की ने लगातार 100 दिन 9 घंटे सोकर बनाया रिकॉर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जून : दुनिया में सभी लोगों को सोन की जरूरत पड़ती है। कई लोग आठ-आठ घंटे तक सोते हैं, तो कुछ लोग कम ही नींद लेते हैं। हालांकि स्वस्थ रहने के लिए हर इंसान को कम से कम छह घंटे सोना चाहिए। यह भी व्यक्ति की उम्र पर निर्भर करता है। अब एक लड़की ने सोने के मामले में साढ़े चार लाख लोगों को पीछे छोड़ दिया है। यह लड़की पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। पश्चिम बंगाल के हुंगली की रहने वाली लड़की ने सबसे अच्छी नींद का खिताब जीता है। इस खिताब को जीतने के बाद लड़की को छह लाख रुपये का इनाम दिया गया है।

खिताब जीतने वाली लड़की का नाम त्रिपर्णा है जो हुगली के श्रीरामपुर की रहने वाली है। सर्वश्रेष्ठ नींद में सोने की प्रतियोगिता रखी गई थी जिसमें लड़की समेत साढ़े चार लाख लोगों ने हिस्सा लिया था। लेकिन लड़की ने सभी लोगों को सर्वश्रेष्ठ नींद में सोने के मामले में पीछे छोड़ दिया और खिताब अपने नाम कर लिया।

खिताब जीतने के बाद त्रिपर्णा ने मीडिया को बताया कि उनको एक ऑनलाइन वेबसाइट से माध्यम से इस प्रतियोगिता के बारे में जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि वेबसाइट से पता चला कि ऑल इंडिया लेवल पर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके बाद त्रिपर्णा इस प्रतियोगिता में शामिल हुईं। इस सोने वाली प्रतियोगिता में साढ़ चार लोगों ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता में 15 लोगों को चयनित किया गया था जिसमें फाइनल स्तर के लिए चार लोगों को चुना गया था। फाइनल में हुगली के श्रीरामपुर की रहने वाली त्रिपर्णा ने सर्वश्रेष्ठ सोने वाले व्यक्ति का खिताब जीत लिया।

इस प्रतियोगिता में हर शख्स को एक मैट्रेस और एक स्लीप ट्रैकर मिला था। इसमें सभी को सबसे अधिक नींद में सोया था। त्रिपणा ने लगातार 100 दिन 9 घंटे तक सोया और अपने नाम रिकॉर्ड दर्ज कर लिया। इस खिताब को जीतने के बाद उनको 6 लाख रुपये का इनाम भी दिया गया है। उनको एक-एक लाख रुपये के 6 चेक मिले हैं। त्रिपर्णा चक्रवर्ती को बचपन से ही सोने का शौक था। उनका कहना है कि कई बार परीक्षा के समय भी वह सो गई थीं। त्रिपर्णा इस समय अमेरिका की कंपनी में काम करती हैं और वर्क फ्रॉम होम कर रही हैं।

ऐसी नौकरियां, जो देती हैं मोटी तनख्वाह, पर करना नहीं चाहता कोई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जून : दुनिया में कुछ ज्यादा वेतन वाली नौकरियां हैं. हालांकि ज्यादातर लोग इस नौकरी के लिए नहीं जाते हैं. इन नौकरियों के लिए इतना वेतन दिया जाता है, जिसकी कल्पना भी करना करना मुश्किल है. बावजूद इसके पद खाली रह जाते हैं. चलिए जानते हैं ऐसी नौकरियों के बारे में.हेल्थ वर्कर की नौकरी ऐसी है, जिसकी जरूरत दुनिया भर में है. भारत में भले ही इसके लिए उचित प्रशिक्षण न हो, लेकिन दुनिया भर के अन्य देशों में इन नौकरियों के लिए विशेष प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरण मौजूद हैं.

इस नौकरी में वैश्विक स्तर पर सालाना वेतन 50 हजार अमेरिकी डॉलर यानि 40 लाख रुपये से अधिक है। स्लॉटर हाउस वर्कर की नौकरी ऐसी है, जिसके लिए किसी शैक्षणिक ज्ञान की ज़रूरत नहीं है. कई लोगों को ये काम पसंद नहीं आएगा. इसमें मीट काटकर इसे दुकानों और एक्सपोर्ट कंपनियों में पैकेजिंग एरिया में भेजना होता है. इस नौकरी में प्रति घंटे 15 डॉलर यानि 1200 रुपये का भुगतान होता है. सामान्य रूप से देखें तो सालाना 34 लाख रुपये कमाया जा सकता है। टॉयलेट वर्कर का काम भारत में लोग बिना किसी प्रशिक्षण या सिक्योरिटी का होता है. हालांकि विकसित देशों के पास इसके लिए उपकरण हैं और इससे सफाई करने पर उन्हें 15 डॉलर यानि 1200 रुपये प्रति घंटे है.स्लॉटरहाउस वर्कर की नौकरी ऐसी है, जिसके लिए किसी शैक्षणिक ज्ञान की ज़रूरत नहीं है. कई लोगों को ये काम पसंद नहीं आएगा. इसमें मीट काटकर इसे दुकानों और एक्सपोर्ट कंपनियों में पैकेजिंग एरिया में भेजना होता है. इस नौकरी में प्रति घंटे 15 डॉलर यानि 1200 रुपये का भुगतान होता है.

सामान्य रूप से देखें तो सालाना 34 लाख रु पये कमाया जा सकता है। टॉयलेट वर्कर का काम भारत में लोग बिना किसी प्रशिक्षण या सिक्योरिटी का होता है. हालांकि विकसित देशों के पास इसके लिए उपकरण हैं और इससे सफाई करने पर उन्हें 15 डॉलर यानि 1200 रुपये प्रति घंटे मिलता है.खनिक यानि माइन में काम करना सबसे जानलेवा नौकरियों में से है. कोई भी इस नौकरी के लिए नहीं जाना चाहता. हालांकि जो लोग इसके लिए जाते हैं, वो सालाना 1 लाख 15 हजार अमेरिकी डॉलर यानि भारतीय मुद्रा में 94 लाख रुपये कमाए जा सकते हैं। सीवर इंस्पेक्टर की नौकरी में सीवेज पाइप में कोई खराबी हो तो ठीक किया जाता है. यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम है, यही वजह है कि दुनिया भर के देशों में इस नौकरी की अच्छी मांग है. इस नौकरी के लिए वेतन 66,000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष से शुरू होता है. भारतीय मुद्रा में इसकी कीमत 54 लाख रुपये आंकी गई है।

अजीबोगरीब रीति रिवाज, विदाई के समय दुल्हन के सिर पर थूकता है पिता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जून : दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग रीति रिवाजों और परंपराओं का पालन किया जाता है। इस आधुनिक युग में आज भी कई ऐसे लोग हैं, जो अपनी पुरानी परंपराओं का पालन कर रहे हैं। आदिवासी प्रजातियां अभी भी हजारों साल पुरानी परंपराओं का पालन कर रही हैं। दुनिया में कई जनजातियां पाई जाती हैं, जो अपने रहन-सहन और खानपान के लिए जानी जाती हैं। इनमें कुछ जनजातियां ऐसी हैं, जो अजीबोगरीब रीति रिवाजों का पालन करती हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे।

आज हम आपको एक जनजाति के रीति रिवाज के बारे में बताएंगे, जिसके बारे में जानकर आपको यकीन नहीं होगा। इसके साथ ही आप हैरान हो जाएंगे। इस जनजाति में दुल्हन को अजीबोगरीब तरीके से आशीर्वाद देने की परंपरा है। दरअसल जनजाति के लोग दुल्हन के सिर पर थूक कर आशीर्वाद देते हैं।इस जनजाति का नाम मसाई है, जो केन्या और तंजानिया में पाई जाती है। इस जनजाति में लड़कियों की शादी के बाद जब विदाई होती है, तो पिता दुल्हन के सिर और ब्रेस्ट थूकता है। बताया जाता है कि इस अजीबोगरीब तरीके से पिता अपनी बेटी को आशीर्वाद देता है। इस जनजाति में सदियों से यह परंपरा चलती आ रही है।इस परंपरा के मुताबिक, यह पिता का अपनी बेटी के प्रति प्यार जताने का तरीका है। पिता के थूकने को बेटी भी आशीर्वाद मानती है। इस जनजाति सबसे हैरानी वाली बात यह है कि शादी के बाद दुल्हन का सिर मुंडवा दिया जाता है। इसके बाद दुल्हन अपने पिता के सामने घुटने टेकती है और अपने परिवार वालों से आशीर्वाद लेती है।

दुनिया का सबसे रहस्यमयी गांव, जहां बड़े होते ही लड़के में बदल जाती हैं लड़कियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जून : लड़के और लड़कियों के लिए यौवन एक अजीब समय होता है. इस दौरान युवक-युवतियों की आवाज भारी होने लगती है और जमकर मूड स्विंग होने लगता है. आज हम आपको एक ऐसे रहस्यमयी गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां एक उम्र के बाद लड़कियां, लड़के में बदल जाती हैं. क्या हुआ यह बात जानकर चौंक गए न आप! डेली मेल की खबर के अनुसार, डोमिनिकन रिपब्लिक देश में एक गांव है ला सेलिनास. इस गांव की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि एक खास उम्र के बाद यहां की कुछ लड़कियों का जेंडर चेंज हो जाता है. इसके बाद वह लड़का बन जाती हैं. इस रहस्य को वैज्ञानिक भी पता नहीं लगा सके हैं.

इस गांव की कई लड़कियां 12 साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते लड़के में तब्दील हो जाती हैं. लड़कियों के लड़का बनने की 'बीमारी' के कारण इस गांव के लोग काफी परेशान रहते हैं. यह गांव समुद्र के किनारे बसा है. इसकी आबादी 6 हजार के आस-पास है. अनोखे आश्चर्य के कारण दुनियाभर के शोधकर्ताओं के लिए यह गांव रिसर्च का विषय बना हुआ है. डॉक्टर्स कहते हैं कि यह एक 'आनुवंशिक विकार' है. इस बीमारी से ग्रसित बच्चों को स्थानीय भाषा में 'सूडोहर्माफ्रडाइट' कहा जाता है. बता दें कि जिन लड़कियों में यह विकार होता है, एक उम्र के बाद उनके शरीर के अंग पुरुषों जैसे बनने लगते हैं. जहां लड़कियों की आवाज पतली होती है, वहीं उनकी आवाज भारी होने लगती है. इस रहस्यमयी बीमारी से गांव का 90 में से एक बच्चा जूझ रहा है.

जसपुर में महुआडाबरा में पौधे लगाते छात्र-छात्रायें

रुद्रपुर। चीनी मिल के प्रचार एवं जनसम्पर्क अधिकारी ने गन्ना पर्यवेक्षकों के सर्वे कार्य का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने गन्ना पर्यवेक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिएबुधवार को काशीपुर से आए गन्ना प्रचार एवं जनसम्पर्क अधिकारी नीलेश कुमार ने वार्ड एक चुकटी देवरिया, वार्ड दो आजाद नगर और ग्राम महाराजपुर क्षेत्र में गन्ना पर्यवेक्षकों द्वारा किए गए गन्ने के सर्वे का निरीक्षण किया। सर्वे कार्यक्रम की जानकारी देते हुए ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक महेश प्रसाद ने बताया कि गन्ने का सर्वे कार्य प्रगति पर है। यह पूरी तरह से जीपीएस पद्धति से किया जा रहा है। लगभग 75 प्रतिशत सर्वे कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष जून के अन्तिम सप्ताह तक पूर्ण कर किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान गन्ना समिति सचिव संजीव कुमार चौधरी, गन्ना पर्यवेक्षक रविशंकर कांडपाल, सुधीर आहुजा व विशाल सेतिया आदि उपस्थित थे।

अजय भट्ट की जीत जनता की जीत : पांडेय

रुद्रपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वर्तमान विधायक अरविन्द पांडेय ने कहा है कि नैनीताल-उधम सिंह नगर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट की भारी मतों से जीत जनता की जीत है। देश की जनता नरेन्द्र मोदी को पुनः देश का प्रधानमंत्री बनाने जा रही है। इसके लिए जनता का आभार प्रकट करते हैं। भाजपा नेता अशोक हुड़िया के आवास पर पत्रकारों से वार्ता करते पांडेय ने कहा कि गदरपुर विधानसभा से 28000 वोटों की बढ़त पार्टी के कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों तथा पन्ना प्रमुखों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त मेहनत करके पार्टी को विजय दिलाई है। पांडेय ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा तीसरी बार केन्द्र में सरकार बना रही है तथा देश विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था वाला देश बनेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक हुड़िया, चंकित हुड़िया, राकेश भुड्डी, राजेश गुंबर मिनी, लवली हुड़िया, रजत हुड़िया, दीपक गर्ग ,कश्मीर कम्बोज, सचिन आदि मौजूद रहे।

हल्द्वानी : अक्षत ने 99.99 परसेंटाइल के साथ NEET में किया ऑल इंडिया टॉप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 06 जून : क्षत ने पहले ही प्रयास में NEET UG 2024 में 99.99 परसेंटाइल के साथ ऑल इंडिया टॉप कर लिया है। अक्षत ने 11 वीं की पढ़ाई के साथ ही नीट की तैयारी के लिए कोचिंग लेना शुरू कर दिया था।राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने बीते दिन मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (स्नातक) के परिणाम घोषित किए। यह परीक्षा 56.4 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने उत्तीर्ण की है जो पांच मई आयोजित की गई थी। हल्द्वानी के होनहार छात्र अक्षत ने ऑल इंडिया टॉप करके 99.99 प्रतिशत अंक किए हैं। अक्षत का यह पहला अटेम्प्ट था। उनकी इस कामयाबी से परिजनों में खुशी की लहर है। सभी लोग उन्हें बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं।

अक्षत ने आर्यमान विक्रम बिडला स्कूल से हाईस्कूल की परीक्षा 97% से पास की और फिर इंटर भारतीयम इंटरनेशनल स्कूल, रुद्रपुर से 96 प्रतिशत अंकों से पास की थी। अक्षत ने 11वीं के साथ-साथ नीट की तैयारी के लिए कोचिंग लेना शुरू कर दिया था। अक्षत ने बताया कि उन्हें डॉक्टर बनने की प्रेरणा अपने पिता से मिली। उनके पिता गोविंद बल्लभ पंगरिया सीएचसी किच्छा में चिकित्सक हैं और मां सोनू पंगरिया गृहिणी हैं। उनकी बड़ी बहन आकांक्षा पीएचडी की तैयारी कर रही हैं। अक्षत ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, परिजनों और गुरुजनों को दिया है।

अक्षत ने बताया कि वे रोजाना पांच से छह घंटे पढ़ाई करते थे और कोचिंग की किताबों के साथ-साथ एनसीईआरटी की पुस्तकों का भी सहारा लेते थे। उन्होंने कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे युवाओं को सन्देश दिया है कि मोबाइल का इस्तेमाल कम से कम करें और अपना पूरा फोकस पढाई पर लगाएं। नियमित टेस्ट दें और अपने आप का स्वमूल्यांकन करें जहाँ पर गलतियां हो रही हैं उन्हें सुधारें, यही सफलता का मूल मंत्र हैं। वे डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना चाहते हैं।

शाबाश वाटिका ! नीट के रिजल्ट में बजा बलूनी क्लासेस का डंका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- 710 अंक हासिल कर उत्तराखण्ड में दूसरे स्थान पर रही वाटिका
- बलूनी पब्लिक स्कूल फांउडेशन कोर्स की छात्रा है वाटिका

देहरादून , 6 मई , नीट यूजी परीक्षा में एक बार फिर बलूनी क्लासेस का दबदबा रहा। बलूनी क्लासेस की छात्रा वाटिका रावत ने नीट परीक्षा में प्रदेश भर में दूसरा स्थान हासिल किया है। वाटिका रावत ने 720 में से 710 अंक हासिल किये हैं। बलूनी क्लासेस के प्रबंध निदेशक विपिन बलूनी ने वाटिका की इस उपलब्धि पर उसे शुभकामनाएं दी हैं। इसके अलावा राज्य की मेरिट में संस्थान के 125 से अधिक छात्र जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर बलूनी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन डॉ नवीन बलूनी और संस्थान के निदेशक विपिन बलूनी ने खुशी जताई। उन्होंने सभी सफल छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को चयन की बधाई और सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि बलूनी क्लासेस हर साल प्रदेश को टॉपर दे रहा है और यह परम्परा इस बार भी जारी रही। बलूनी क्लासेस उत्तर भारत में मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा का अग्रणी संस्थान है। नीट में हर साल बलूनी क्लासेस प्रदेश में टॉपर देता है। इस बार संस्थान की छात्रा वाटिका रावत ने 710 अंक हासिल किये हैं। वाटिका बलूनी पब्लिक स्कूल की फाउंडेशन की छात्रा है। बलूनी क्लासेस के 75 से भी अधिक छात्रों ने 600 से भी अधिक अंक हासिल किये हैं।

उत्तर भारत के सर्वश्रेष्ठ कोचिंग संस्थान बलूनी क्लासेस ने एक बार फिर मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। संस्थान के होनहारों ने अन्य कोचिंग संस्थानों को पछाड़ते हुए रिकॉर्ड संख्या में मेरिट लिस्ट में जगह बनाई है। जारी परिणामों के अनुसार वाटिका रावत ने 710, उज्ज्वल अग्रवाल ने 710, रिषिता बिष्ट ने 697, जतिन सिंह चहार ने 690, स्नेहा डबराल ने 686, संस्कृति सिंह ने 682, प्रखर शर्मा ने 681, स्वास्तिक मित्तल ने 680, राशिद खान ने 680, वैष्नवी शर्मा ने 674, दीपक गोस्वामी ने 672, हरि दयाल शर्मा ने 671, कुशाग्र सिंघल 670, वेद किशोर ने 666, जानवी सिंघल ने 666, प्रियंशी नैथानी ने 665, अग्रिमा भारद्वाज ने 663, हरिओम त्यागी ने 660, खुशी राणा ने 659, ललित गर्ग ने 655, अभिप्सा मालगुरी ने 654, जावेद अली ने 653, चिराग हरबोला ने 649, रिद्धी भट्ट ने 649, भूमि सरीन ने 649, रिशू राजपूत ने 647, कनक प्रिया ने 647, मनराज सिंह भंडारी ने 645, शुभांगी पटवाल ने 645, रूचि पाण्डे ने 645, शालिनी नौटियाल ने 645, रिशभ कुमार शर्मा ने 645, नंदिनी शर्मा ने 645, मित्तल जैन 645, शिवांशी नौटियाल 644, गौरिमा रावत ने 642, उत्कर्श डिमरी ने 640, अक्षत असवाल ने 639, अमन कोठियाल ने 639, निया पुरोहित ने 638, अमनदीप बेलवाल ने 637, कार्तिक कुमार ने 633, एष्वर्या सचदेव ने 633, श्रद्धा कुमारी ने 632, सार्थक कौशिक 631, अनुनय कुड़ियाल ने 628, केशव नौटियाल ने 626, मोनिका ने 626, विदुषी नौटियाल ने 625, दिव्यांशु बडोनी ने 621, दिव्यांश गोडियाल ने 620, आस्था ने 615, भूमि जैन ने 615, कनिका काला ने 614, सानिया बडियारी ने 613, नीलम बेलवाल ने 610, अर्पित पाण्डे ने 610, आकृति ने 609, मान्या मलासी ने 607, शुभांगी ने 602, उज्जवल शुक्ला ने 595, कशिष नेगी ने 595, शिवांष राजपाल ने 590(EWS) जारा नाजा ने 588(OBC) मोहम्मद सुहैल ने 587(OBC), आदित्य सिंह ने 576(SC), सोनारिका ने 575(SC), अंकित सिंह ने 574(EWS), उन्नति उनियाल ने 567(OBC), हिमांशु कुमार ने 563(SC), प्रिंस रजौरिया ने 560(SC), नेहा सिंह ने 558(SC), गुलशन फुलोरिया ने 547(SC) विदुषी डोभाल ने 508(ST), अवनीश कुमार ने 505 (SC), अतुल प्रकाश मंडरवाल ने 499 (SC), श्रेया चौहान ने 485(ST), नेहा राणा ने 481 (ST), सागर कुमार ने 464(SC) अंक प्राप्त कर राज्य की मेरिट लिस्ट अपना स्थान बनाया । प्रबंध निदेशक विपिन बलूनी ने बताया कि नये सत्र 2024-25 के लिए मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की तैयारी में जुटे छात्र-छात्राओं के लिए नये बैच 11 जून 2024 से प्रारंभ होने जा रहा है ।

कायम रहा सुपर 50 का जलवा

बलूनी क्लासेस के सुपर 50 बैच का जलवा नीट में भी कायम रहा। सुपर 50 के सभी छात्र-छात्राओं ने नीट की मेरिट लिस्ट में जगह बना कर सफलता की परंपरा को कायम रखा है । अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए बलूनी क्लासेस हर साल सुपर-50 बैच का चयन करता है, जिसमें 50 छात्र-छात्राओं को निशुल्क कोचिंग कराई जाती है। 2010 में अपनी स्थापना के बाद से सुपर-50 का हर वर्ष शत-प्रतिशत रिजल्ट रहा है। इस वर्ष सुपर-50 के आवेदन संस्थान की वेबसाइट पर लॉगिन कर ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं, साथ ही बलूनी क्लासेस से ऑफलाइन आवेदन फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2023 है ।

NEET UG 2024 : कमालपुर गांव के उमेर और दानिश ने किया माता पिता का नाम रोशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर 06 जून : NEET UG 2024 , डॉक्टर बनने का सपना पूरा करने वाली नीट की परीक्षा का रिजल्ट 4 जून को घोषित कर दिया गया है. इस साल 13.16 लाख बच्चों ने नीट परीक्षा पास की है. नीट यूजी में 67 उम्मीदवार रैंक 1 पाने में सफल रहे हैं। इसी बीच उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर एक छोटे से गांव कमालपुर में जन्मे दो बच्चे गरीब परिवार से आते हैं। जो तालीमी एतबार से बिल्कुल पिछड़े हुए थे। लेकिन कहते हैं इतनी मेहनत करो एक दिन सफलता आपके कदम चूमे और वो मोहम्मद उमेर अनवर, मोहम्मद दानिश ने करके दिखाया है, उमेर के वालिद साहब एक मदरसे में कार्यरत हैं।

उमेर पहले मदरसे में पढ़ा और हाफिज बना और उसके बाद उमेर का एडमिशन अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में 6th class हुआ फिर 12th class करने बाद नीट की तैयारी करनी शुरू कर दी, 2 साल की लगातार कड़ी मेहनत की और वो रंग भी लाई, आज उमेर ने नीट की परीक्षा पास की जिसकी वजह से पुरे घर में ख़ुशी का माहौल है। मोहम्मद दानिश दानिश के पिता एक किराना स्टोर का व्यापार कर अपना घर चलाते है। दानिश बचपन से ही बहुत मेहनती था, दानिश ने सरकारी स्कूल से पढाई की पढाई के साथ-साथ दानिश अपने पिता के कामकाज में भी हाथ बढ़ाता है। लेकिन दानिश की इस सफलता से पुरे घर में ख़ुशी का माहौल है।

मोहम्मद उमेर अनवर और मोहम्मद दानिश ने नीट की तैयारी कर रहे बच्चो को संदेश दिया, लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती।कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ,नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है , चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है , मन का साहस रगों में हिम्मत भरता है , चढ़ कर गिरना, गिर कर चढ़ना न अखरता है ,मेहनत उसकी बेकार हर बार नहीं होती , कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। लगातार मेहनत करते रहे एक दिन मंजिल जरूर मिलेगी।

प्रधानाचार्यों को वेतन आहरण अधिकार देने पर जताया आभार

अल्मोड़ा। राजकीय शिक्षक संघ जिला कार्यकारिणी अल्मोड़ा ने सभी प्रभारी प्रधानाचार्य को वेतन आहरण हेतु वेतन आहरण अधिकार देने के लिए प्रदेश के शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत, शिक्षा सचिव, महानिदेशक शिक्षा, निदेशक माध्यमिक शिक्षा का आभार व्यक्त किया है। जिला अध्यक्ष भारतेन्दु जोशी ने कहा कि प्रभारी प्रधानाचार्य को डीडीओ पावर मिलने से शिक्षकों के वेतन सम्बन्धित कार्य के लिए अनावश्यक रूप से लगने वाले समय की बचत होगी। जिला मंत्री भूपाल सिंह चिलवाल ने कहा की प्रभारी प्रधानाचार्य को डीडीओ पावर मिलने से शिक्षकों के वेतन विसंगति जैसी समस्याएं कम होंगी और पूर्णकालिक प्रधानाचार्य और खंड शिक्षा अधिकारी का वर्क लोड कम होगा। आभार व्यक्त करने वालों में जिला अध्यक्ष भारतेन्दु जोशी, जिला मंत्री भूपाल सिंह चिलवाल, जिला उपाध्यक्ष डॉ दिनेश पंत, जिला उपाध्यक्ष महिला मीनाक्षी जोशी, जिला संयुक्त मंत्री कैलाश रावत, जिला संगठन मंत्री मदन भंडारी, जिला आय व्यय निरीक्षक जीवन नेगी, अजरा परवीन, पंकज टम्टा, किशन खोलिया, ललित पाठक, नितेश कांडपाल सहित जनपद अल्मोड़ा के सभी शिक्षकों ने आभार व्यक्त किया है।

उत्तराखण्ड लोक वाहिनी ने जल संकट पर जताई चिंता

अल्मोड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड लोक वाहिनी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उत्तराखण्ड के बिगड़ते पर्यावरण तथा पानी की समस्या पर विचार हुआ। बैठक में उलोवा के प्रवक्ता दयाकृष्ण काण्डपाल ने कहा कि सरकारों द्वारा घर-घर नल, घर-घर जल योजना तो चलाई जा रही है पर इस तथ्य पर विचार नहीं किया जा रहा है कि नल में जल कहाँ से आएगा। यही नही शहरों के आसपास सीवर लाईन ना होने से नौलों व धारों मे सीवर का पानी पहुँच कर भूगर्भ जल दूषित हो रहा है। जल बढ़ाने वाले पौधों के बजाय जल दोहन को बढ़ावा देने वाले पौधों का रोपण हो रहा है, किन्तु ये पौधे भी आग के हवाले हो जाते हैं। उलोवा ने 2014 में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर नदी बचाओ अभियान चलाया था जिसके बाद कोसी पुनर्जनन योजना बनी। लेकिन योजना के क्या परिणाम सामने आए, यह आंकड़े जनता को मालूम नहीं है। इस अवसर पर स्व डॉ शमशेर सिंह बिष्ट का भी भावपूर्ण स्मरण किया गया। संगोष्ठी में जगत रौतेला, पूरन चन्द्र तिवारी, जंग बहादुर थापा, अजय मित्र बिष्ट, कलावती तिवारी, रेवती बिष्ट, हारिस मुहम्मद, विशन दत्त जोशी आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर गोष्ठी आयोजित

अल्मोड़ा। सिविल सोयम गणानाथ रेंज के कपड़खान अनुभाग परिसर में पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में दिनेश पिलख्वाल सरपंच वन पंचायत जाखसौड़ा उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन क्षेत्राधिकारी पूरन चन्द्र तिवारी एवं संचालन वन दरोगा इन्द्रा गोस्वामी ने किया। इसके साथ ही रेंज परिसर से कपड़खान कस्बे तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। वन क्षेत्राधिकारी पूरन चन्द्र तिवारी ने कहा कि आज पर्यावरण को लेकर पूरा विश्व चिंतित है आज जगह-जगह प्रदूषण बढ़ता जा रहा है जिसको रोकना हम सबका कर्तव्य है जिससे प्रकृति के साथ-साथ हम सबको लाभ मिले। सरपंच दिनेश पिलख्वाल ने कहा कि आज दिन प्रतिदिन प्रकृति के साथ छेड़छाड़ हो रही है, जिससे जलवायु पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है जिससे खेती आदि को वृहद रूप में नुकसान हो रहा है, इसलिए पर्यावरण को दूषित होने से बचाने के लिए ठोस उपाय करने चाहिए।

संपादकीय

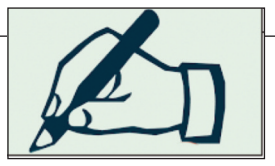

गठबंधन सहारे मोदी सरकार

नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन सकते हैं। भाजपा न केवल लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, बल्कि 291 सांसदों वाले एनडीए का सदन में स्पष्ट बहुमत भी है। बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 है। नियम और परंपरा के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सबसे पहले भाजपा-एनडीए के नेता मोदी को, सरकार बनाने के लिए, आमंत्रित करेंगी। भाजपा और मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने को तैयार हैं। यह भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घोषित भी किया है, लेकिन इस बार मोदी एक 'मिथक' और निरंकुश भाव से काम करने वाले नेता साबित नहीं हो सकेंगे। चूंकि जनादेश कमजोर और गठबंधन का है, लिहाजा इस बार तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल-यू सरीखे सहयोगियों की सलाह और पूछ भी अनिवार्य होगी। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकारों और भाजपा की वाजपेयी सरकार के दौरान संयोजक और सहयोगी रह चुके हैं। वह बार-बार सरकारों को बाध्य करते थे और अपनी मांगें मनवाने की जिद करते थे। अंततः उन्होंने एनडीए छोडने का फैसला किया, नतीजतन सरकार कमजोर हुई। बेशक उस दौर की तुलना में अब भाजपा सांसदों की संख्या काफी है, लेकिन स्पष्ट बहुमत से 30 सांसद कम हैं। लिहाजा सहयोगी दलों के समर्थन के बिना मोदी सरकार भी अस्थिर रहेगी। यह जनादेश 2014 और 2019 से बिल्कुल भिन्न है। प्रधानमंत्री मोदी 10 साला कार्यकाल के दौरान लगभग निरंकुश होकर फैसले लेते रहे। प्रधानमंत्री दफ्तर भी उसी तर्ज पर काम करता रहा। अब यह गठबंधन की सरकार होगी, लिहाजा प्रधानमंत्री को समान नागरिक संहिता, एक देश एक चुनाव, कुछ आर्थिक सुधार, एनसीआर सरीखे मुद्दों पर फिलहाल विराम लगाना पड़ेगा अथवा टीडीपी और जद-यू की सहमति सरकार के लिए बाध्यकारी होगी। इस बार विपक्ष भी ताकतवर होगा। उनका नेता प्रतिपक्ष भी होगा, लिहाजा मुद्दों और विधेयकों पर विपक्ष की सहमति को भी टाला नहीं जा सकेगा। इस बार मोदी सरकार के लिए कोई भी संविधान संशोधन बिल पारित कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि बहुमत नहीं है। कांग्रेस के 99 और सपा के 37 सांसद चुनकर लोकसभा में आ रहे हैं। 'इंडिया' की कुल ताकत पर्याप्त है। पीएमओ पर भी गठबंधन के सहयोगियों की 'निगाह' बराबर बनी रहेगी। फिलहाल नायडू और नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर समर्थन और गठबंधन की गारंटी दी है, लेकिन उन दोनों के अतीत का इतिहास संदिग्ध रहा है। उससे उन्होंने सबक भी सीखा होगा! दोनों दल लोकसभा में स्पीकर का पद चाहते हैं। वाजपेयी सरकार के दौरान टीडीपी के बालयोगी स्पीकर होते थे। बहरहाल अभी तो मोदी सरकार को शपथ ग्रहण करनी है। इस बार 23.43 करोड़ मतदाताओं ने मोदी के नेतृत्व को वोट दिए हैं। यकीनन यह विश्व कीर्तिमान है, क्योंकि एक ही व्यक्ति के नाम इतने वोट नहीं डाले गए। फिर भी भाजपा को आत्ममंथन करना है कि जनादेश की दशा और दिशा एकदम कैसे बदल गई? वाराणसी सीट पर 2019 में प्रधानमंत्री मोदी 4 लाख से अधिक वोट से जीते थे, लेकिन इस बार यह फासला 1.5 लाख ही रह गया।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की जरूरत: प्रो. डीएस मलिक

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय परिसर में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर शिक्षकों और छात्रों ने पौधरोपण किया। प्रो. डीएस मलिक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शहरीकरण के चलते बड़े स्तर पर पेड़ों को काटा जा रहा है। इससे तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। इस तापमान को नियंत्रित करने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाए जाने की जरूरत है। मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. नितिन कंबोज ने पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों को अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाए जाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार और प्रो. नमिता जोशी ने विचार रखे। दूसरी ओर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय परिसर में भी पौधरोपण अभियान चलाया गया। कुलपति प्रो. अंबुज शर्मा ने अभियान की सराहना की। इस अवसर पर डॉ. सुयश भारद्वाज, डॉ. अनुज कुमार शर्मा, डॉ. धर्मेंद्र बालियान, अशोक, मुकेश, सोनू आदि मौजूद थे।

हर व्यक्ति को लेनी होगी पर्यावरण बचाने की जिम्मेदारी

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस पर संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से गांधी पार्क में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें पर्यावरण को लगातार पहुंचाए जा रहे नुकसान पर चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने पेड़ों के कटान पर रोक लगाने की जरूरत बताई। इसके साथ ही प्रत्येक नागरिक से पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने की अपील की। गोष्ठी में संयुक्त नागरिक संगठन के अध्यक्ष ब्रिगेडियर केजी बहल ने कहा कि हर साल हरेला पर्व पर लाखों पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन रोपण के बाद उनकी कोई देखभाल नहीं होती, ऐसे पर्व का कोई महत्व नहीं है। कहा कि पौधरोपण के बाद उसके फलने-फूलने तक की जिम्मेदारी लेनी होगी। सचिव सुशील त्यागी ने लगातार बढ़ते कंक्रीट के जंगल पर चिंता जाहिर की। कहा कि लगातार बढ़ता प्रदूषण जीवन के लिए खतरनाक है, इस पर चिंतन के साथ ही धरातल पर काम करने का समय आ गया है। इस दौरान गांधी पार्क मे लगातार पौधारोपण कर इनको रोजाना पानी से सिंचित करने में जुटे विरेंद्र कुमार को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर अवधेश शर्मा, पीयूष भटनागर, ईरा चौहान, सुमन सिंह बल्दिया, चौधरी ओमवीर सिंह, कर्नल बीएम थापा, कुल बहादुर कार्की, पदम जंग, डा. गार्गी धुनता, नवीन सडाना, कैप्टन, वाईबी थापा, अशोक बल्लभ शर्मा, मेहर बंसल, ताराचंद गुप्ता, प्रदीप कुकरेती, डा.अनिल जग्गी, दिनेश भंडारी, यज्ञ भूषण शर्मा, जीएस जस्सल, आशा नौटियाल, अर्पणा भंडारी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

ज्वालापुर सराय के बैंक में घुसे चोर

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के सराय में चोरों ने बैंक में घुसकर चोरी का प्रयास किया। आरोपी दूध की फैक्टरी की दीवार तोड़कर बैंक परिसर में घुसे। पुलिस ने बुधवार को अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस के अनुसार मंगलवार की सुबह कर्मचारियों ने बैंक आफ इण्डिया सराय ज्वालापुर शाखा का गेट खोला तो देखा कि पड़ोस में बनी बंद दूध फैक्टरी की दीवार तोड़कर कोई अंदर घुस आया था। शाखा प्रबंधक मीनाक्षी शर्मा की ओर से पुलिस को शिकायत दी गई। बताया कि बैंक में लगी सीआरएम मशीन को खोलने के इरादे से उसमें तोड़फोड़ की गई है। मौके से सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी गायब है। कोतवाली प्रभारी रमेश सिंह तनवार ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है।

पेड़ लगाना और उन्हें सुरक्षित रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी : टीएस मुरली

हरिद्वार। बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक टीएस मुरली ने बुधवार को कहा कि पेड़ लगाना और उन्हें सुरक्षित रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि पौधरोपण करने से पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलती है तथा आम जनमानस में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। बीएचईएल के प्रदूषण नियंत्रण अनुसंधान संस्थान की ओर से पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें कार्यपालक निदेशक टीएस मुरली के नेतृत्व में, महाप्रबंधकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लेकर पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया।

जेल के बाहर से बाइक चोरी, केस दर्ज

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र में स्थित रोशनाबाद जेल के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी हो गई। साथ ही रानीपुर कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी से भी दो बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि लक्सर खेड़ी खुर्द निवासी बुशरा प्रवीन ने शिकायत देकर बताया कि तीन जून को अपने भांजे के साथ मोटरसाइकिल से रोशनाबाद जेल में बंद अपने पति से मिलने के लिए आई थी। बाइक गेट के सामने खड़ी कर अंदर मिलने चले गए थे। जब वापस लौटकर आए तो बाइक गायब मिली।

बिजली की सप्लाई 15 घंटे रही बंद, तीन हजार की आबादी हुई परेशान

हरिद्वार। उत्तरी हरिद्वार में एलटी लाइन में फॉल्ट आने से करीब तीन हजार की आबादी की बिजली मंगलवार देररात गुल हो गई। बुधवार सुबह भी सप्लाई सुचारू नहीं होने से लोगों के जरूरी काम प्रभावित रहे। बुधवार देर शाम पांच बजे मरम्मत काम पूरा होने के बाद बिजली की सप्लाई सुचारू की गई।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर निगम परिसर में किया पौधारोपण

हरिद्वार। विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर आयुक्त वरुण चौधरी के नेतृत्व में टीम ने निगम परिसर में अलग अलग प्रजाति के कई पौधे रोपे। नगर आयुक्त ने कहा कि एक दिन कुछ पौधे लगाकर हमें अपने कार्य की इतिश्री नहीं करनी है। बल्कि इसे रोजमर्रा की जीवन शैली में अपनाना चाहिए।उन्होंने की पृथ्वी की उत्पत्ति के समय से ही मानव और प्रकृति के बीच गहरा रिश्ता रहा है। कहा कि पेड़ इंसान की जरूरत है और जीवन का आधार है। भारतीय संस्कृति में पेड़ पौधों को पूजा जाता है। पेड़ पौधों में देवी देवताओं का वास माना जाता है। पेड़ों से ही हमें जीवनदायनी ऑक्सीजन मिलती है। इसलिए हमें अपनी सांसों को सुरक्षित रखना है तो पेड़ों की रक्षा करनी होगी। इस दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तरुण मिश्रा, सहायक अभियंता आनंद सिंह मिश्रवाण, सफाई निरीक्षक श्रीकांत, विकास कुमार आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग की अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया, 32.70 लाख ठगे

हरिद्वार। कनखल थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर एक महिला की ओर से बुधवार को पिता-पुत्र पर 32.70 लाख रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज किया है। आरोप है कि महिला के दिव्यांग पति के अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया।पुलिस के मुताबिक कनखल निवासी एक महिला ने कोर्ट में शिकायत कर बताया कि उसका पति दिव्यांग है। आरोप है कि कुछ समय पहले उनकी दोस्ती हनुमान मंदिर राजा गार्डन जगजीतपुर निवासी राजकुमार के साथ हुई थी। आरोप है कि राजकुमार और उसके पुत्र शिवांकर ने मिलकर साजिश के तहत पति को शराब पिलाई और इसके बाद किसी महिला को बुलाकर अश्लील फोटो-वीडियो बना ली। इसके आधार पर आरोपियों ने पति को ब्लैकमेल कर कई लाख रुपये ठगे।

पर्यावरण संरक्षण आज के समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी: श्रीमहंत रविन्द्र पुरी

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस पर बुधवार को जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए आज किए गए प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायक होंगे। मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की न्यायाधीश सिमरनजीत कौर ने प्रतिभागियों को विधिक सेवा प्राधिकरण एक्ट के विषय में जानकारी दी। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्य क्षेत्र के बारे में भी बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को उनके विधिक अधिकारों के विषय में भी जागरूक किया। बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर तथा अन्याय से पीड़ित जनों को न्याय दिलाने के लिए जिला प्राधिकरण तत्पर है।

चारधाम टूर पैकेज के नाम पर मध्यप्रदेश के यात्री से ठगी

हरिद्वार। शहर कोतवाली पुलिस ने मध्य प्रदेश के यात्रियों से चारधाम टूर पैकेज के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली ट्रेवल एजेंसी के खिलाफ बुधवार को मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि चारधाम यात्रा के लिए 2.65 लाख जमा कराने के बाद एजेंसी से जुड़े लोगों ने फोन उठाना बंद कर दिया। पुलिस के मुताबिक मध्य प्रदेश के सतना जिले के नागौद कस्बा निवासी आनंद प्रताप सिंह ने शिकायत कर बताया कि अपने 12 साथियों के साथ चारधाम यात्रा के लिए दिल्ली के जहांगीरपुरी की गेसना प्रकृति यात्रा टूर एंड ट्रैवल कंपनी से 18 मई को आनलाइन पैकेज लिया था।

उत्तराखंड : 52 हजार से अधिक मतदाताओं ने किया नोटा का प्रयोग, इस सीट पर सबसे अधिक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 06 जून : बीते 4 जून को लोकसभा के नतीजे घोषित हो चुके हैं जिसमें प्रदेश की पांचों सीटों पर बीजेपी ने अपना परचम लहराया और देश में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। लेकिन उत्तराखंड में 52 हजार से अधिक वोटरों को 55 लोकसभा प्रत्याशियों में से कोई भी योग्य नहीं लगा और उन्होंने नोटा का प्रयोग किया।

18वीं लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तराखंड की पांच सीटों पर लगभग 56 प्रतिशत मतदान हुआ। लेकिन इस बार प्रदेश के 52,630 मतदाताओं ने नोटा यानी नन ऑफ द एबव का प्रयोग किया। इन्हें 55 लोकसभा प्रत्यशियों में से किसी भी दल का या निर्दलीय कोई प्रत्याशी पसंद नहीं आया है। लोकतंत्र जनता को ये अधिकार देता है कि यदि कोई उम्मीदवार आपको सक्षम या योग्य नहीं लग रहा है तो आप नोटा का प्रयोग करके उनका बहिष्कार कर सकते हैं।जनपद अल्मोड़ा में सर्वाधिक 16,697 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। उसके बाद गढ़वाल में 11,224, फिर नैनीताल में 10,425, टिहरी में 7458 और हरिद्वार में 6826 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया है। ईवीएम के साथ-साथ मतदाताओं के पोस्टल बैलेट में भी नोटा के मत निकले, जिसमें हरिद्वार के पोस्टल बैलेट में 163, नैनीताल के पोस्टल बैलेट में 198, टिहरी के पोस्टल बैलेट में 154 ने नोटा पर मुहर लगाई है। अल्मोड़ा और गढ़वाल की सीट पर सबसे अधिक नोटा का इस्तेमाल किया गया। अल्मोड़ा में 2.56 और गढ़वाल में 1.57 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा दबाया है।

मानसखंड विज्ञान केंद्र में पर्यावरण बचाने पर हुई चर्चा

अल्मोड़ा। जिले में मानसखंड विज्ञान केंद्र में विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदम श्री डॉ ललित पांडे, सेवानिवृत्त कमांडेंट एम एस नेगी थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदम श्री ललित पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि हमें पर्यावरण दिवस 2024 के विषय को गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। हम सभी को भी यह जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए तथा उपयोगी वृक्ष लगाकर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना योगदान देना चाहिए। डॉ नवीन चंद्र जोशी, प्रभारी मानसखंड विज्ञान केंद्र ने अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया और यूकॉस्ट तथा मानसखंड विज्ञान केंद्र के बारे में जानकारी दी। डॉ जोशी ने कहा कि हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता और जल संसाधनों का एक महत्वपूर्ण गढ़ है एवं जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से तेजी से खतरे में है। जलवायु परिवर्तन को कम करने और इस संवेदनशील लेकिन महत्वपूर्ण क्षेत्र की रक्षा के लिए व्यापक रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता है। डॉ एस एस सामंत ने विश्व पर्यावरण दिवस के प्रारम्भ के बारे में बताया। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस 2024 के शीर्षक 'भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण तथा सूखा प्रतिरोधक क्षमता' पर विस्तार में उदाहरण के साथ व्याख्यान दिया। डॉ सामंत ने कहा कि सूखा प्रतिरोधक चौड़ी पत्ती वाले पेड़ो को लगाने से भूमि को पुनर्स्थापित किया जा सकता है तथा मरुस्थलीकरण को रोका जा सकता है। सीमा सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त कमांडेंट एम एस नेगी ने पेड़ों की उपयोगिता पर जोर देते हुए सभी से जंगलों को बचाने की अपील की। डॉ वसुधा पंत ने कहा कि जंगलों में लगने वाली आग जमीन के अंदर के जल स्तर को भी कम करती है। नौले और धारे सूख रहे हैं तथा उनको बचाने के लिए पेड़ लगाने की आवशयकता है, उन्होंने प्लास्टिक वेस्ट को भी कम करने की बात कही। इस अवसर पर लता बोरा, राधा बिष्ट, लता तिवारी, लीला बोरा, मीना भैसोड़ा, हीरा कनवाल, भूपेंद्र वल्दिया एवं केंद्रीय विद्यालय की अध्यापिका शिल्पा जोशी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन तमन्ना बोरा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा मानसखंड विज्ञान केंद्र में आयोजित पहले समर कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। लिटिल साइंटिस्ट में वर्धा एवं ध्रुवम जोशी को, रोबोटिक्स और कोडिंग में दर्श सिंह किरोला एवं राघव भट्ट को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के समापन में मानसखंड विज्ञान केंद्र की ओर से प्रदीप तिवारी ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में मानसखंड विज्ञान केंद्र के शिवम्-पंत, मनीष पालीवाल, भास्कर देवड़ी, संजय कनवाल, पारस कुमार, उमेश बिष्ट, मोहन सिंह सिंह नेगी, धर्मेंद्र सिंह जीना, सोहैल सिंह कनवाल, सनी एवं अंकित कुमार आदि ने सहयोग किया।

वृक्षारोपण से जलस्तर में होगा सुधार: डॉ वसुधा पंत

अल्मोड़ा। जिला परियोजना अधिकारी रंजीता ने बताया कि बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक रैली आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालयों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर जिला परियोजना अधिकारी ने कहा कि यदि हमें स्वच्छ वातावरण एवं तापमान में कमी का लाभ प्राप्त करना है तो वृक्ष रोपण करने होंगे एवं इसके लिए अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना होगा। इस दौरान नमामि गंगे योजना के अन्तर्गत जिला गंगा सुरक्षा समिति अल्मोड़ा के द्वारा एनटीडी-चितई मार्ग में विवेकानन्द बालिका विद्या मन्दिर की छात्राओं के साथ वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान डॉ वसुधा पंत ने वृक्षारोपण एवं वृक्षों के महत्व को बताते हुए कहा कि बिना पेड़-पौधों के जीवन सम्भव नहीं है। उन्होंने कहा कि जनपद में धीरे-धीरे पानी का जलस्तर कम हो रहा है यदि अभी भी हम वृक्षारोपण नहीं करेंगे तो भविष्य में जलस्तर और कम हो जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान वन क्षेत्राधिकारी मोहन राम आर्या ने बताया कि वनों को बढ़ाने की आवश्यकता है, जिसके लिए हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके। वर्तमान में वनों की आग मुख्य समस्या है, इसे रोकने के लिए लोगों को जागरूक करना होगा।

जीआईसी हवालबाग को चुना गया अटल टिंकरिंग लैब स्कूल ऑफ़ द मंथ

अल्मोड़ा। पीएम श्री राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज हवालबाग की अटल टिंकरिंग लैब को भारत सरकार के नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन द्वारा एटीएल स्कूल ऑफ़ द मंथ चुना गया है। इसकी जानकारी अटल इनोवेशन मिशन ने पत्र के माध्यम से दी है व साथ ही विद्यालय को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया है। इससे पूर्व भी इस लैब को 6 बार इस हेतु चयनित किया जा चुका है। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं एटीएल के इंचार्ज डॉ कपिल नयाल ने बताया कि लैब में हो रहे नवाचारों, विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए इनोवेटिव मॉडल्स, विद्यार्थियों में उत्पन्न वैज्ञानिक चेतना एवं एटीएल डैशबोर्ड के प्रदर्शन के आधार पर देश भर में स्थित लैब्स में से इस हेतु चयन किया जाता है। उन्होंने बताया कि लैब में विद्यार्थियों ने मैनुअल कंट्रोल्ड रोबोट, ब्लुटूथ कंट्रोल्ड रोबोट, ड्रोन, इंटेलीजेंट ब्लाइंड स्टिक, पोल्युशन कंट्रोलर डिवाइस, होम ऑटोमेशन, स्मार्ट होम आदि कई इनोवेटिव मॉडल्स और प्रोजेक्ट तैयार किए हैं जिनकी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हवालबाग भ्रमण के दौरान सराहना की।

महालेखाकार से की कर चोरी की शिकायत

देहरादून। महानगर सिटी बस सेवा सोसाइटी के अध्यक्ष विजय वर्धन डंडरियाल ने महालेखाकार सीएजी ऑडिट को शिकायती पत्र भेजा है। उन्होंने संभागीय परिवहन विभाग पर कमर्शियल यात्री वाहनों का कर चोरी करने का आरोप लगाया है। पत्र में कहा कि 32 सिटी बसों का परमिट उच्च न्यायालय ने समाप्त कर दिए थे। विभाग ने उनकी जगह कुछ सिटी बसों को अस्थायी परमिट देकर उनका कर माफ किया है, जो कि नियम के विपरीत है। इसके साथ ही मैक्सी कैब को ओमनी बस की श्रेणी में लाकर कर माफ किया गया है। कहा कि बड़े पैमाने पर कर की चोरी हो रही है, इसकी जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण में ड्रोन तकनीक विषय पर व्याख्यान आयोजित

अल्मोड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एसएसजे परिसर अल्मोड़ा में अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर मनोज कुमार ने ड्रोन तकनीक द्वारा वनाग्नि रोकने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि ड्रोन तकनीक से हम जल रहे जंगलों की स्थिति, उनका मानचित्र एवं कई महत्वपूर्ण आंकड़ों को संकलित कर सकते हैं। प्रोफेसर जीवन सिंह रावत ने ड्रोन को एक कारगर एवं उपयोगी तकनीक बताया। उन्होंने बताया कि ड्रोन तकनीक के एप्लीकेशन कृषि, बागवानी, जल संरक्षण आदि के आंकड़ों को एकत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण है जिसके बारे में जनसमाज और विद्यार्थियों को बताए जाने की जरूरत है। विवि के कुलपति प्रोफेसर सतपाल सिंह बिष्ट ने पर्यावरण संरक्षण को एक गंभीर विषय बताते हुए इसके संरक्षण के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में ड्रोन तकनीक का प्रयोग महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय में हुआ वृक्षारोपण

अल्मोड़ा। पर्यावरण दिवस के अवसर पर अल्मोड़ा जिला न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। बुधवार को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन पर जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोडा श्रीकांत पाण्डेय द्वारा छायादार सिल्वर ओक व मोर पंख के पौधे लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य दुनिया में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण और प्रकृति को हो रहे नुकसान पर रोक लगाना है। पर्यावरण ने मानव को अंनत काल से लेकर अब तक जिस भी वस्तु की मानव को आवश्यकता महसूस हुई, वह पर्यावरण से ही प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हासिल हुई है।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर बताया पौधरोपण का महत्व

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस पर दून में विभिन्न संगठनों के कार्यक्रम में लोगों को पर्यावरण व पौधरोपण का महत्व बताया गया। जगह जगह लोगों ने पौधरोपण कर दून को हरियाली से भरपूर करने का संकल्प लिया। मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन के तत्वाधान में टर्निंग प्वाइंट पब्लिक स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताओं में जूनियर वर्ग में आदर्श प्रथम, पूर्णिमा सचदेव द्वितीय, विहान त्यागी तृतीय रहे। प्रतियोगिता में 50 बच्चों ने भाग लिया। सीनियर वर्ग में आशी घिल्डियाल प्रथम, दीया भट्ट द्वितीय, अर्चित चौधरी तृतीय रहे। स्कूल प्रधानाध्यापिका सारिका चौधरी ने पर्यावरण का महत्व समझाया। मौके पर संगठन अध्यक्ष सचिन जैन, प्रदेश अध्यक्ष मधु जैन, प्रेरणा गुप्ता, साक्षी बेलवाल, रजनी वर्मा, चंद्र कोठारी उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस पर छावनी परिषद के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण के लिए पूर्व कैंट बोर्ड उपाध्यक्ष विष्णु प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में चरी ग्राउंड डाकरा में पौधरोपण किया गया। जिसमें गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, मनोज क्षेत्री, दीपा श्रेत्री, रेखा थापा, दुर्गा कश्यप, कोमल थापा, विमला भट्ट, निर्मल थापा, सारिका खत्री, मुकेश शर्मा आदि पर्यावरण प्रेमियों ने जामुन, अमरूद, आड़ू और आंवला जैसे फलदार पेड़ लगाए। शैल कला एवं ग्रामीण विकास समिति ने विश्व पर्यावरण दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया। संस्था अध्यक्ष स्वामी एस. चंद्रा ने कहा कि तापमान बढ़ने से जनमानस अत्यधिक परेशानी महसूस कर रहा है। दून में आज तक इतना तापमान देखने को नहीं मिला। मुख्य वजह विकास के नाम पर अत्यधिक पेड़ों का कटान, कंक्रीट के जंगल में बदलता शहर है। मौके पर आदित्य नैयर, महेन्द्र राना, आनंद स्वरूप, नीता चन्द्रा, गायत्री भण्डारी, अशोक मनराल, अंशुल घई मौजूद रहे।

सचिवालय क्रिकेट क्लब का हॉट वेदर टी-10 कप से होगा शुरू

देहरादून। सचिवालय क्रिकेट क्लब की ओर से सात से 10 जून तक हॉट वेदर टी-10 कप का आयोजन किया जाएगा, जो रायपुर स्थित महाराणा स्पोर्ट्स और दून बलूनी क्रिकेट ग्राउंड में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 14 (12 पुरुष और 2 महिला) टीमें प्रतिभाग करेंगी। क्लब के मीडिया प्रभारी अनुज शेखर चमोली ने बताया गया कि टूर्नामेंट को लेकर सचिवालय कार्मिकों में उत्साह का माहौल है। बढ़ती गर्मी को लेकर उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ियों को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद पूर्ण फिट होने की स्तिथि में ही खेलने को निर्देशित किया गया है, साथ ही उन्होंने बताया कि इस टूर्नामेंट के लिए क्लब द्वारा अपनी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

रेसकोर्स के गुरमत कैंप में बच्चों को बताया पौधरोपण का महत्व

देहरादून। गुरू हरकिशन साहिब कीर्तन एकेडमी देहरादून, अकाल पुरख की फ़ौज व गुरद्वारा गोविंद नगर रेसकोर्स के सहयोग से 27 मई से आठ जून तक आयोजित गुरमत समर कैंप का आयोजन रेसकोर्स गुरुद्वारे में किया जा रहा है। बुधवार को गुरमत कैंप में विश्व पर्यावरण दिवस पर कैंप में शामिल बच्चों को पौधरोपण का महत्व बताया गया। अकाल पुरख की फ़ौज के को-ऑर्डिनेटर दलजीत सिंह ने बताया कि गुरमत कैंप में लगभग 180 बच्चे प्रतिभाग कर रहे हैं। गुरमत कैंप में गुरमुखी, गुरु इतिहास, कीर्तन(तबला और हरमोनियम), गतका(सिख मार्शल आर्ट), करियर एंड काउंसलिंग, पर्यावरण संरक्षण, ग्लोबल वार्मिंग विषय से सम्बन्धित कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। इस उपलक्ष में पेंटिंग प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता के साथ ही लगभग 50 पौधे भी रोपे गए। गुरू हरकिशन साहिब कीर्तन एकेडमी को-ऑर्डिनेटर सतपाल सिंह ने कहा कि हमें पर्यावरण संरक्षण करना है तो पेड़ लगाने बेहद जरुरी हैं। जिस प्रकार आज ग्लोबल वार्मिंग का खतरा मंडरा रहा है, उसके लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। ज्ञानी जसप्रीत सिंह ने भी बच्चों को पौधरोपण का महत्व बताया। 8 जून को कैंप समापन पर प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। मौके पर जसदीप सिंह, जपजीत सिंह, हरसिमरन सिंह, गगनदीप कौर, गुरलीन कौर, कुशनित कौर, दलजीत सिंह, हरविंदर सिंह, नरेन्द्र कौर, अश्मित कौर, मनप्रीत कौर, अमनजोत सिंह आदि उपस्थित रहे।

पेयजल का राजकीयकरण न होने पर 21 जून से हड़ताल का ऐलान

देहरादून। पेयजल एजेंसियों के राजकीयकरण की मांग पूरी न होने पर जल निगम जल संस्थान संयुक्त मोर्चा ने 21 जून से हड़ताल का ऐलान कर दिया है। मोर्चा ने दोनों पेयजल एजेंसियों के मैनेजमेंट पर लापरवाही का आरोप लगाया। वादाखिलाफी को लेकर शासन को भी निशाने पर लिया। शासन को पेयजल कर्मचारियों, पेंशनर्स को ट्रेजरी से वेतन, पेंशन भुगतान सुनिश्चित किए जाने का भी वादा याद दिलाया। मोर्चा संयोजक रमेश बिंजौला ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि शासन के आश्वासन पर ही कर्मचारियों ने चुनाव से पहले हड़ताल को स्थगित किया था। आश्वासन दिया गया था कि चुनाव आचार संहिता के बीच पेयजल के राजकीयकरण और ट्रेजरी से वेतन, पेंशन भुगतान की सभी औपचारिकताओं को पूरा कर लिया जाएगा। आचार संहिता के तीन महीने गुजरने के बाद भी इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई। आदेश होना तो दूर, अभी तक शासन ने होमवर्क तक पूरा नहीं किया है।